



बताओ तो

२०. हमारा सामूहिक जीवन

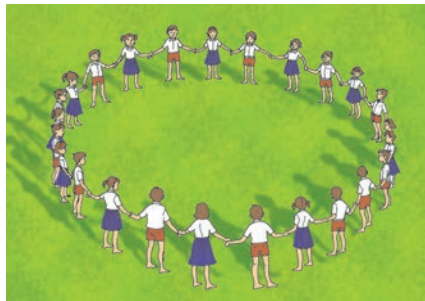


- * ऊपर के दोनों चित्रों में तुम्हें कौन-सा अंतर दिखाई देता है ?
- * तुम्हें किसका साथ अच्छा लगता है ?
- * तुम यह कैसे निर्धारित करते हो कि कौन-सा खेल खेलना है ?

हमको एक-दूसरे के साथ रहना अच्छा लगता है। घर में हम अपने माता-पिता के साथ रहते हैं। हमारे साथ हमारे पड़ोसी भी होते हैं। यदि साथी-सहेली नहीं मिलते हैं तो हमें अच्छा नहीं लगता और तो और यदि हमारी मनी बिल्ली और हमारा कुत्ता मोती थोड़ी भी देर तक दिखाई न दें, तो हम उदास हो जाते हैं। मनुष्य को समूह में रहना अच्छा लगता है। अपने परिवार, पड़ोसियों और आस-पास के लोगों के साथ-साथ रहने का अर्थ समूह में रहना है।



लड़के-लड़कियों के समूह में बोलने वाली लड़की।



लड़के-लड़कियाँ हाथ में हाथ डालकर खड़े हैं।



साइकिल से गिरे लड़के की सहायता करते हुए।

परस्परावलंबी सामूहिक जीवन

हम सब लोगों को सामूहिक जीवन की आवश्यकता होती है। यदि हमारे आस-पास मित्र या सहेली तथा अन्य लोग न हों तो हम किससे बातें करेंगे ? हम अपने सुख-दुख, समस्याओं-बाधाओं को किसको बताएँगे ?

समूह में हमें साथ मिलता है । किसी के साथ होने से हमें सुरक्षा मिलती है । हम एक-दूसरे की सहायता कर सकते हैं । एक-दूसरे की सहायता करने का अर्थ आपसी सहयोग है । समूह में रहने से हमें अन्य लोगों की सहायता मिलती है । परस्पर सहयोग ही सामूहिक जीवन का सबसे बड़ा लाभ है । ऐसा सहयोग निर्मित होने के लिए नियमों की आवश्यकता होती है ।



थोड़ा सोचो

किसान न होते तो...

पाठशालाएँ न होतीं तो...

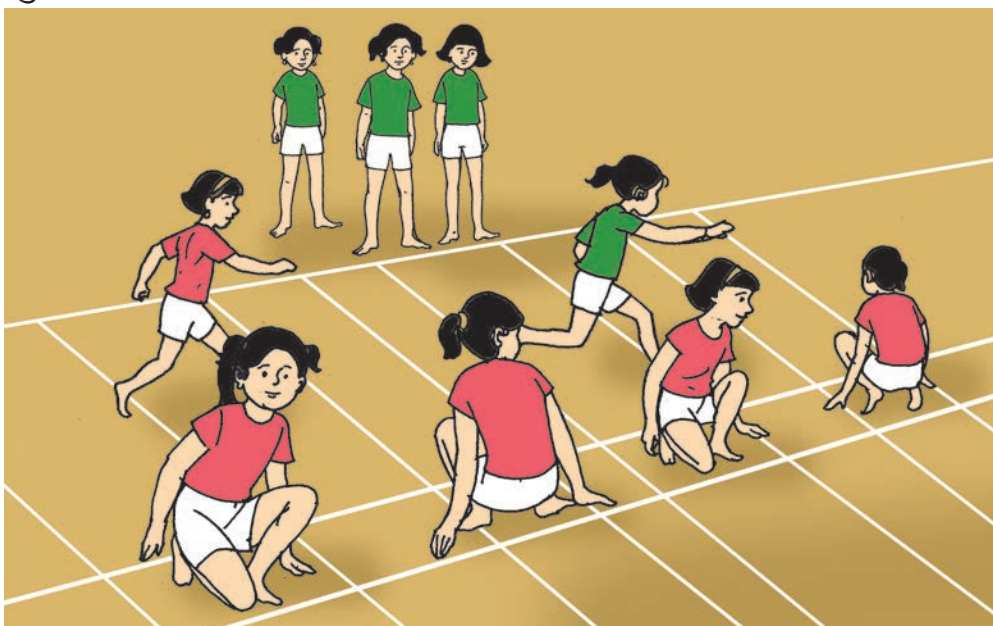
अस्पताल न होते तो...

कूड़े का ढेर वैसा ही पड़ा रहता तो...

समूह द्वारा हमारी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति होती है । समूह में रहकर हम शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा की आपूर्ति जैसी सुविधाओं का निर्माण कर सकते हैं । आवश्यकताओं की आपूर्ति के लिए वस्तुएँ निर्मित करनी पड़ती हैं । इसे हम वस्तुओं का उत्पादन कहते हैं । उन वस्तुओं को हम तक लाकर पहुँचाने की क्रिया को सेवा कहते हैं । आवश्यकताओं की आपूर्ति के लिए उत्पादन और सेवा दोनों आवश्यक हैं । ये दोनों बातें बहुत-से लोगों के सहभाग द्वारा ही प्राप्त होती हैं । अकेला एक व्यक्ति सभी वस्तुओं का उत्पादन नहीं कर सकता । सभी प्रकार की सेवाएँ भी नहीं दे सकता । वास्तव में हमारा सामूहिक जीवन परस्परावलंबी होता है ।

सामूहिक जीवन के लिए नियमावली

सामूहिक जीवन नियमित तथा सुचारु रूप से चलने के लिए नियमों की आवश्यकता होती है । हम एक-दूसरे के साथ अनेक प्रकार के व्यवहार करते हैं । ये व्यवहार व्यवस्थित रूप में होने के लिए हमें कुछ बंधनों का पालन करना पड़ता है । इन बंधनों को ही नियम कहते हैं । नियमों का पालन करने से सामूहिक जीवन में अनुशासन पैदा होता है ।



खो-खो खेलतीं लड़कियाँ



बताओ तो

- * खेल के नियमों का निर्धारण क्यों किया जाता है ?
- * नियमानुसार खेलने से कौन-से लाभ प्राप्त होते हैं ?
- * सामूहिक खेल में सबसे महत्त्वपूर्ण बात कौन-सी है ?

कोई भी खेल खेलने से पहले खेल के नियम समझ लेने चाहिए। खेल के नियम सभी खिलाड़ियों के लिए समान ही होने चाहिए। सभी खिलाड़ियों को खेल के नियमों का पालन करना चाहिए। इससे खेल सुचारु रूप से खेला जाता है। ठीक इसी प्रकार सामूहिक जीवन को व्यवस्थित रूप से चलाने के लिए हमें नियमों का पालन करना चाहिए।

नीचे दिए गए कथनों में से सामूहिक जीवन के लिए आवश्यक नियम ज्ञात करो। उनके सामने वाली चौखटों में सही नियमों के आगे ? ऐसा चिह्न बनाओ :

- * कतार तोड़कर बस में चढ़ना चाहिए। ☐
- * जेब्रा क्रॉसिंग पर चलकर सड़क पार करनी चाहिए। ☐
- * अचानक कष्ट होने पर तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर जाना चाहिए। ☐
- * नल की टोंटी से पानी टपक रहा हो तो ग्राम पंचायत या स्थानीय संस्था को सूचना देनी चाहिए। ☐
- * सही टिकट लिए बिना कभी भी यात्रा नहीं करनी चाहिए। ☐



क्या करना चाहिए

नियमों के होने से झगड़े कम होते हैं। भेदभाव की संभावना कम होती है। तुम्हें क्या लगता है ?



इसे सदैव ध्यान में रखो

“एक-एक के बनो सहायक, सदा चलो सुपंथ”
– संत तुकाराम



हमने क्या सीखा

- * मनुष्य को समूह में रहना अच्छा लगता है।
- * पारस्परिक सहयोग यह सामूहिक जीवन का सबसे बड़ा लाभ है।
- * समूह द्वारा हमारी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति होती है।
- * सामूहिक जीवन नियमित रूप से चलने के लिए नियमावली की आवश्यकता होती है।
- * खेल द्वारा हममें आपसी सहयोग और एकजुट होने के गुण उत्पन्न होते हैं।
- * खेलों द्वारा हमारा स्वास्थ्य उत्तम बना रहता है।



स्वाध्याय

(अ) नीचे दिए गए प्रश्नों के एक-एक वाक्य में उत्तर लिखो :

- (१) घर में हम किसके साथ रहते हैं ?
- (२) हम स्वयं को सुरक्षित कब मानते हैं ?
- (३) हमें नियमों का पालन क्यों करना चाहिए ?

(आ) रिक्त स्थानों की पूर्ति करो :

- (१) मनुष्य को रहना अच्छा लगता है ।
- (२) समूह में रहने पर हमें मिलती है ।
- (३) हमारा सामूहिक जीवन ऐसा होता है ।

(इ) समूह 'अ' तथा समूह 'ब' की सही जोड़ियाँ मिलाओ :

समूह 'अ'

- (अ) एक-दूसरे की सहायता करने
- (आ) सामूहिक जीवन नियमित रूप से चलने के लिए
- (इ) खेल के नियम सब के लिए

समूह 'ब'

- (१) नियमावली की आवश्यकता होती है ।
- (२) का अर्थ सहयोग है ।
- (३) नियम कहते हैं ।
- (४) समान होते हैं ।

उपक्रम

- (१) क्रिकेट के खेल के लिए नियमों की सूची तैयार करो ।
- (२) यातायात के लिए नियमों की सूची बनाओ ।
- (३) पाठशाला में तुम कुछ नियमों का पालन करते हो । इसी प्रकार घर पर किन नियमों का पालन करते हो, इस विषय पर पाँच पंक्तियाँ लिखो ।

